



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्यशासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, बुधवार, २ अगस्त, १९८९/११ श्रावण, १९११

हिमाचल प्रदेश सरकार

HIMACHAL PRADESH VIDHAN SABHA SECRETARIAT

NOTIFICATION

Shimla-4, the 28th July, 1989

No. 1-31/89-VS.—In pursuance to rule 135 of the Rules of Procedure and Conduct of Business of the Himachal Pradesh Legislative Assembly, 1973, The Himachal Pradesh

Fisheries (Amendment) Bill, 1989 (Bill No. 12 of 1989) having been introduced on the 28th July, 1989, in the Himachal Pradesh Vidhan Sabha is hereby published in the Gazette.

Sd/-

Secretary,

H. P. Vidhan Sabha.

1989 का विधेयक संख्यांक-12

हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) विधेयक, 1989

(विधान सभा में यथा पुरःस्थापित)

हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम, 1976 (1976 का 16) का संशोधन करने के लिए विधेयक।

भारत गणराज्य के चालीसवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो:—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अधिनियम, 1989 है।

संक्षिप्त
नाम और
प्रारम्भ।

(2) यह जुलाई, 1989 के ठठे दिन को प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा।

1976 का
16।

2. हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम, 1976 (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल अधिनियम कहा गया है) की धारा 6 में:—

धारा 6 का
संशोधन।

(क) उप-धारा (1) में "एक वर्ष तक की हो सकेगी, या जुमनि से, जो एक हजार रुपये तक का हो सकेगा" शब्दों के स्थान पर "तीन वर्ष तक की हो सकेगी, या जुमनि से, जो पांच हजार रुपये तक का हो सकेगा" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे;

(ख) उप-धारा (2) में "दो हजार" शब्दों के स्थान पर "पांच हजार" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे; और

(ग) उप-धारा (3) का लोप किया जाएगा।

3. मूल अधिनियम की धारा 7 में:—

धारा 7 का
संशोधन।

(क) "विष" और "चूना" शब्दों के बीच "ब्लीचिंग पाउडर," शब्द और चिह्न अन्तःस्थापित किए जाएंगे; और

(ख) "दो वर्ष तक की हो सकेगी, या जुमनि से, जो एक हजार रुपये तक का हो सकेगा" शब्दों के स्थान पर "तीन वर्ष तक की हो सकेगी, या जुमनि से, जो पांच हजार रुपये तक का हो सकेगा" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे।

4. मूल अधिनियम की धारा 7 के पश्चात्, निम्नलिखित नई धाराएं 7-अ, 7-आ और 7-इ अन्तःस्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

नई धारा
7-अ, 7-आ
और 7-इ
का अन्तः-
स्थापन।

"7-अ. मत्स्य के मारने में प्रयोग किए जाने वाले डायनामाइट और अन्ध विस्फोटक पदार्थ कब्जे में रखन के लिए बण्ड.—यदि किसी व्यक्ति के कब्जे में, नदी, नदिका, खड्ड, तालाब, झील, जलाशय, जिनमें मत्स्य पाई जाती ह, के समीप, या आस-पास

या उसके किनारे पर मत्स्य मारने के प्रयोजन के लिए, डायनामाइट या कोई अन्य विस्फोटक पदार्थ पाया जाता है, तो वह जब तक ममाधानप्रद रूप में यह स्पष्ट नहीं कर देता है कि उसने ऐसा डायनामाइट या विस्फोटक पदार्थ विधिपूर्ण उद्देश्य के लिए अपने कब्जे या नियन्त्रण में रखा था, कारावास से, जिसकी अवधि दो वर्ष तक की हो सकती, या जुर्माने में, जो तीन हजार रुपये तक का हो सकेगा, या दोनों में दण्डनीय होगा।

7-आ. प्रतिषिद्ध ऋतु में मछली मारने या पकड़ने के लिए दण्ड.—इस अधिनियम की धारा 5 में किसी बात के प्रतिकूल होते हुए भी, यदि कोई व्यक्ति किसी ऐसे मौसम के दौरान, जिसमें धारा 3 की उप-धारा (3) के खण्ड (घ) के अधीन बनाए गए किसी नियम द्वारा मछली मारना या पकड़ना प्रतिषिद्ध किया गया है, जाल से मछली मारता या पकड़ता है, तो वह कारावास से, जिसकी अवधि दो वर्ष तक की हो सकेगी, या जुर्माने में, जो तीन हजार रुपये तक का हो सकेगा, या दोनों से, दण्डनीय होगा।

7-इ. अपराधों का संज्ञेय और अजमानतीय होना.—दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973: 1974 का 2 में किसी भी बात के होते हुए, इस अधिनियम की धारा 6, 7, 7-अ और 7-आ के अधीन सभी अपराध संज्ञेय और अजमानतीय होंगे।”

अनुसूची का 5. मूल अधिनियम की वर्तमान अनुसूची के स्थान पर, निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापन। प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात्:—

“अनुसूची
(धारा 10 देखें)

धारा 10 के अधीन कतिपय मत्स्य अपराधों के लिए प्रतिकर के रूप में स्वीकार्य अधिकतम राशि

विवरण

प्रतिकर के रूप में स्वीकार्य
अधिकतम राशि

1

2

- | | |
|---|----------------|
| 1. अधिनियम के अधीन बनाए गए नियमों द्वारा विहित से छोटे फंदे वाले जाल से मछलियां पकड़ना। | पांच सौ रुपये। |
| 2. अनुज्ञप्ति के बिना मछलियां पकड़ना। | तीन सौ रुपये। |
| 3. इस अधिनियम के अधीन विहित मानक से कम आकार या वजन की मछली मारना या पकड़ना या विक्रय या मारने, पकड़ने या विक्रय का प्रयास करना। | तीन सौ रुपये। |
| 4. बन्द मौसम में प्रनिषिद्ध जाति की कोई मछली मारना या पकड़ना या विक्रय करना या मारने, पकड़ने या विक्रय का प्रयास करना। | तीन सौ रुपये। |
| 5. नियम के अधीन अनुज्ञप्ति से भिन्न किसी उपस्कर या ढंग से मछली पकड़ना या पकड़ने का प्रयास करना। | तीन सौ रुपये। |
| 6. नियमों के अधीन अनुज्ञप्ति दो या किन्हीं उपकरणों में से किसी एक समय पर दो से अधिक का प्रयोग। | तीन सौ रुपये। |

1

2

7. मछली पकड़ते समय अनुज्ञापनधारियों द्वारा अनुज्ञापन न रखने वाले व्यक्तियों को अपने जाल से सहायता के लिए नियोजित करना या लगाना। तीन सौ रुपये।
8. प्रतिषिद्ध जल क्षेत्रों में मछली पकड़ना या पकड़ने का प्रयास करना। तीन सौ रुपये।
9. किसी मछली के जिसका विक्रय इस अधिनियम की धारा 4 के अधीन जारी की गई अधिसूचना द्वारा किसी विनिर्दिष्ट क्षेत्र में प्रतिषिद्ध है, विक्रय या विनिमय के लिए रखना या अभिदर्शित करना। तीन सौ रुपये।
10. अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (3) के अधीन बनाए गए किसी नियम के उल्लंघन में मछली का निर्यात करना या निर्यात करने का प्रयास करना। एक हजार रुपये।
11. विनिर्दिष्ट बाजार-मूल्य से अधिक मूल्य पर मछली का विक्रय करना या विक्रय करने का प्रयास करना। चार सौ रुपये।
12. अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (3) के खण्ड (ट) के उल्लंघन में अनाधिकृत रूप से मछली पकड़ने का जलयान और उपकरण रखना। चार सौ रुपये।
13. अधिनियम की धारा 3 की उप-धारा (3) के खण्ड (1) के उल्लंघन में विनिर्दिष्ट सीमाओं के भीतर मछली या मछली-उत्पादन का परिवहन करना या परिवहन करने का प्रयास करना। चार सौ रुपये।

6. (1) हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र (संशोधन) अध्यादेश, 1989 का निरसन और
एतद्वारा निरसन किया जाता है। व्यावृत्तियां।

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, उक्त अध्यादेश के अधीन की गई कोई बात या कार्रवाई इस अधिनियम के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन की गई समझी जाएगी, मानो कि, यह अधिनियम जुलाई, 1989 के छठे दिन को प्रवृत्त हो गया था।

उद्देश्यों और कारणों का कथन

यह विधेयक हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र संशोधन अध्यादेश, 1989 (1989 का 1) को, जो हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल द्वारा 5 जुलाई, 1989 को प्रख्यापित किया गया था और 6 जुलाई, 1989 को राजपत्र (असाधारण), हिमाचल प्रदेश में प्रकाशित किया गया था, बिना परिवर्तन के प्रतिस्थापित करने के लिए है। उक्त अध्यादेश का उद्देश्य हिमाचल प्रदेश मत्स्य क्षेत्र अधिनियम, 1976 में संशोधन करके प्रशमन फीस और दण्ड में वृद्धि करना और उन व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करना था जो परिपक्व और संगर्भ मछलियों को, विशेषतया प्रजनन काल में अर्थात् प्रतिपिंड ऋतु में, जहर दे कर अधाधुन रूप से मारते हैं।

शिमला:

28 जुलाई, 1989.

शब्द कुमार,
प्रभारी मन्त्री।

बिस्तीय ज्ञापन

इस विधेयक में अन्तिम उपबन्धों का निष्पादन विद्यमान सरकारी तन्त्र को सौंपा जाएगा और राजकोष पर कोई अतिरिक्त व्यय अन्तर्वलित नहीं होगा। फिर भी प्रस्तावित उपायों से प्रशमन फीस में वृद्धि के कारण अनिश्चित राजस्व प्राप्त होगा। उक्त बढ़ोतरी का ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगाया जा सकता है।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

—शून्य—

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 12 of 1989.

THE HIMACHAL PRADESH FISHERIES (AMENDMENT) BILL, 1989

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A

BILL

to amend the Himachal Pradesh Fisheries Act, 1976 (Act No. 16 of 1976).

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fortieth Year of the Republic of India as follows:—

1. (1) This Act may be called the Himachal Pradesh Fisheries (Amendment) Act, 1989.

Short title and commencement.

(2) It shall be deemed to have come into force with effect from the 6th day of July, 1989.

16 of 1976.

2. In section 6 of the Himachal Pradesh Fisheries Act, 1976 (hereinafter called the principal Act),—

Amendment of section 6.

(a) in sub-section (1) for the words “one year or with fine which may extend to one thousand”, the words “three years or with fine which may extend to five thousand” shall be substituted;

(b) in sub-section (2) for the words “two thousand”, the words “five thousand” shall be substituted; and

(c) sub-section (3) shall be omitted.

3. In section 7 of the principal Act,—

Amendment of section 7.

(a) after the words and sign “poison,” but before the word “lime”, the words and sign “bleaching powder,” shall be inserted; and

(b) for the words “two years, or with fine which may extend to one thousand”, the words “three years, or with fine which may extend to five thousand” shall be substituted.

4. After section 7 of the principal Act, the following new sections 7A, 7B and 7C shall be inserted, namely:—

Insertion of sections 7A, 7B and 7C.

“7-A. *Punishment for the possession of dynamite and other explosive substance to be used for killing the fish.*—If a person is found to be in possession of a dynamite or any other explosive substance for the purpose of killing the fish near or in the vicinity or on the bank of a river, rivulet, khad, pond, lake, reservoir which are inhabited by the fishes, shall, unless he explains satisfactorily that his possession or control over such a dynamite or the explosive substance was for a lawful object, be punishable with imprisonment for a term which may extend to two years, or with fine which may extend to three thousand rupees, or with both.

7-B. *Punishment for killing or catching fish during prohibited season.*—Notwithstanding anything to the contrary contained in section 5 of this Act, if a person kills or catches fish with a net during the season,

in which killing or catching of fish is prohibited under any rule framed under clause (d) of sub-section (3) of section 3, shall be punishable with imprisonment for a term which may extend to two years or with fine which may extend to three thousand rupees or with both.

7-C. *Offences to be cognizable and non-bailable.*—Notwithstanding anything contained in the Code of Criminal Procedure, 1973, all offences under sections 6, 7, 7A and 7B of this Act shall be cognizable and non-bailable offences.”

2 of 1974.

Substitution
of Schedule.

5. For the existing Schedule to the principal Act, the following Schedule shall be substituted, namely:—

“THE SCHEDULE”

(See Section 10)

MAXIMUM AMOUNT ACCEPTABLE AS COMPENSATION FOR CERTAIN FISHING OFFENCES UNDER SECTION 10

Description	Maximum amount acceptable as compensation
1	2
1. Fishing with a new net having a smaller mesh than that prescribed under the rules made under the Act.	Rupees five hundred.
2. Fishing without a licence	Rupees three hundred.
3. Killing or catching or selling or attempt to kill, catch or sell fish of a size or weight less than the standard prescribed under this Act.	Rupees three hundred.
4. Killing or catching or selling or attempt to kill, catch or sell any fish of a prohibited species during a close season.	Rupees three hundred.
5. Fishing or attempting to fish with any gear or method other than permitted under the rules.	Rupees three hundred.
6. Using at any one time more than two of either or any of the gears permitted under the rules.	Rupees three hundred.
7. Licence holders employing or engaging non-licensees to help them with their nets, while fishing.	Rupees three hundred.
8. Fishing or attempting to fish in prohibited water.	Rupees three hundred.

1	2
9. Offering or exposing for sale or barter any fish, the sale of which is prohibited in any specified area by a notification issued under section 4 of the Act.	Rupees three hundred.
10. Exporting or attempting to export fish in contravention of any rule made under sub-section (3) of section 3 of the Act.	Rupees one thousand.
11. Selling or attempting to sell fish for price above the specified market value.	Rupees four hundred.
12. Possessing fishing craft and tackles unauthorisingly in contravention of clause (k) of sub-section (3) of section 3 of the Act.	Rupees four hundred.
13. Transporting or attempting to transport fish or fish products within specified limits in contravention of clause (l) of sub-section (3) of section 3 of the Act.	Rupees four hundred".

6. (1) The Himachal Pradesh Fisheries (Amendment) Ordinance, 1989, is hereby repealed.

Repeal and savings.

(2) Notwithstanding such repeal anything done or any action taken under the said Ordinance shall be deemed to have done or taken under the corresponding provisions of this Act, as if, this Act had come into force on the 6th day of July, 1989.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

This Bill is designed to replace without any modification the Himachal Pradesh Fisheries (Amendment) Ordinance, 1989 (Himachal Pradesh Ordinance No. 1 of 1989) promulgated by the Governor, Himachal Pradesh on the 5th July, 1989 and published in the Extraordinary issue of 6th July, 1989 of the Rajpatra, Himachal Pradesh. The said Ordinance sought to amend the Himachal Pradesh Fisheries Act, 1976, for enhancing the compensation fees and punishments and taking stronger action against the persons who indulge in mass killing of fish by poisoning and killing of life and gravid fishes especially during the breeding season i.e. prohibited season.

SHIMLA :
The 28th July, 1989.

CHANDER KUMAR,
Minister-in-charge.

FINANCIAL MEMORANDUM

The implementation of the provisions contained in the Bill would be entrusted to the existing Government machinery and would not involve any additional expenditure on the State exchequer. The proposed measures would, however, bring additional revenue by way of enhanced composition fee. The exact said increase in revenue cannot be worked out.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

—Nil—